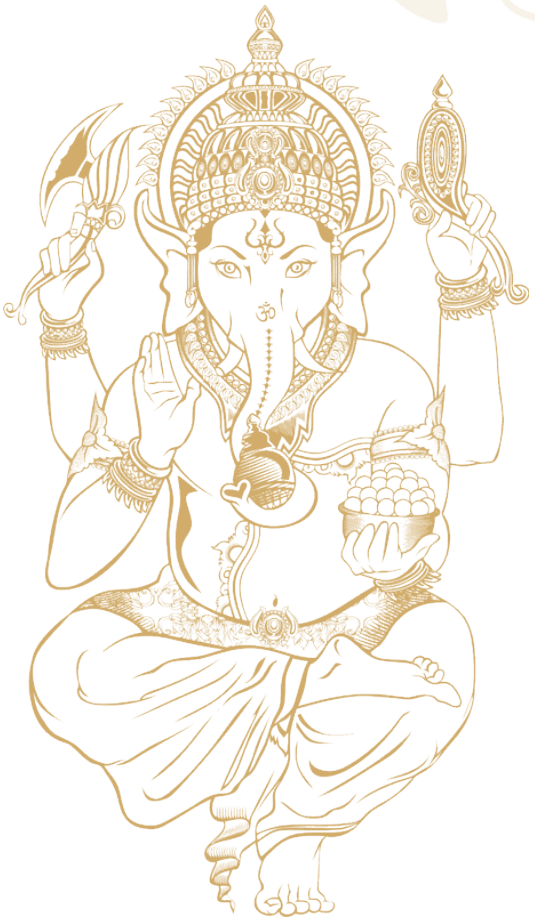

Mr.

08 Jul 1987

12:38 AM

Bilaspur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121449707

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**7-08/07/1987**
दिन	मंगल-बुधवार
जन्म समय	**00:38:00 घंटे**
इष्ट	48:03:48 घटी
स्थान	**Bilaspur**
राज्य	Himachal Pradesh
देश	India

अक्षांश	31:18:00 उत्तर
रेखांश	76:48:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:22:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	00:15:12 घंटे
वेलान्तर	-00:04:45 घंटे
साम्पातिक काल	19:16:04 घंटे
सूर्योदय	05:24:28 घंटे
सूर्यास्त	19:30:27 घंटे
दिनमान	14:05:59 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	21:27:23 मिथुन
लग्न के अंश	03:49:59 मेष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मेष - मंगल
राशि-स्वामी	**वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अनुराधा - 1**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	शुभ
करण	बव
गण	देव
योनि	मृग
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	कीटक
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	ना-नवीन
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कर्क

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मेष	03:49:59	499:16:07	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	चंद्र	---
सूर्य			मिथु	21:27:23	00:57:11	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	सम राशि
चंद्र			वृश्चि	04:33:15	14:18:44	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	नीच राशि
मंगल		अ	कर्क	07:01:09	00:38:18	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	बुध	नीच राशि
बुध	व	अ	मिथु	15:54:11	00:31:20	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	शुक्र	स्वराशि
गुरु			मेष	03:10:03	00:07:36	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	सूर्य	मित्र राशि
शुक्र			मिथु	08:43:41	01:13:23	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	गुरु	मित्र राशि
शनि	व		वृश्चि	22:12:47	00:03:34	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	सूर्य	शत्रु राशि
राहु	व		मीन	12:31:32	00:06:12	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	मंगल	सम राशि
केतु	व		कन्या	12:31:32	00:06:12	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	राहु	शत्रु राशि
हर्ष	व		धनु	00:12:16	00:02:14	मूल	1	19	गुरु	केतु	केतु	---
नेप	व		धनु	12:42:03	00:01:36	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	---
प्लूटो	व		तुला	13:29:49	00:00:21	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	बुध	---
दशम भाव			धनु	23:51:50	--	पूर्वाषाढ़ा	--	20	गुरु	शुक्र	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:40:56

लग्न-चलित

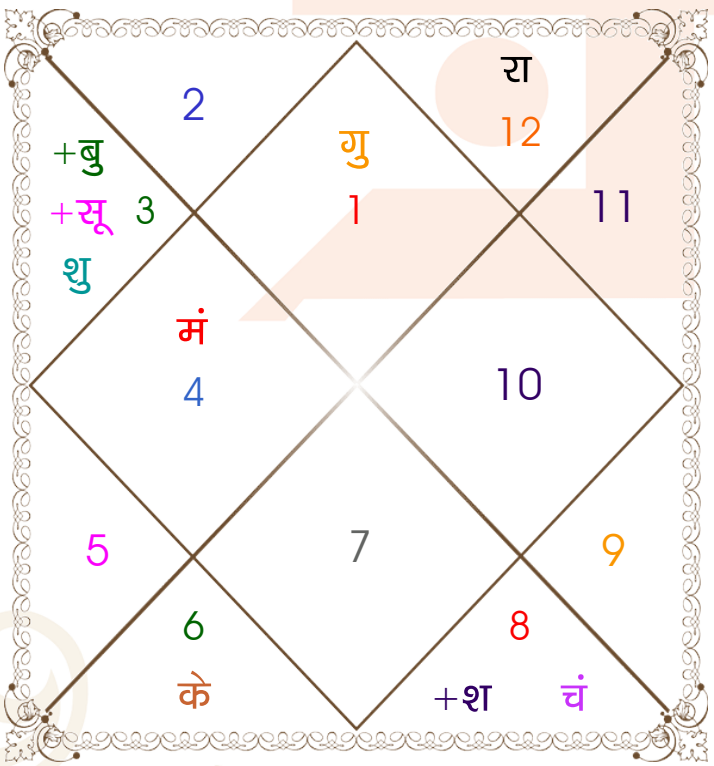

चन्द्र कुंडली

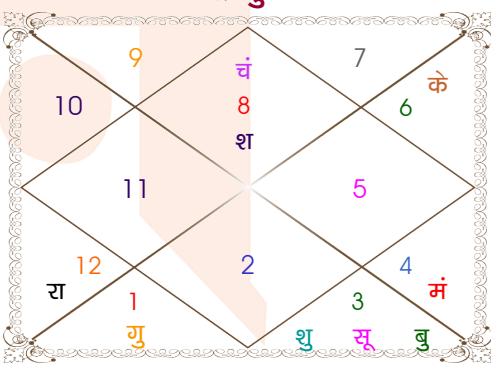

नवमांश कुंडली

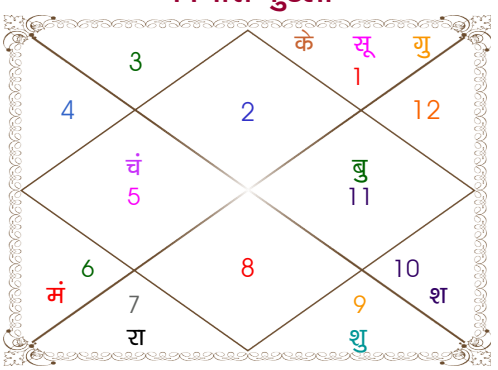

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 17 वर्ष 3 मास 3 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
08/07/1987		10/10/2004		10/10/2021		10/10/2028		10/10/2048	
10/10/2004		10/10/2021		10/10/2028		10/10/2048		10/10/2054	
शनि	13/10/1988	बुध	08/03/2007	केतु	08/03/2022	शुक्र	09/02/2032	सूर्य	27/01/2049
बुध	23/06/1991	केतु	05/03/2008	शुक्र	08/05/2023	सूर्य	09/02/2033	चंद्र	29/07/2049
केतु	01/08/1992	शुक्र	04/01/2011	सूर्य	13/09/2023	चंद्र	10/10/2034	मंगल	04/12/2049
शुक्र	01/10/1995	सूर्य	10/11/2011	चंद्र	13/04/2024	मंगल	10/12/2035	राहु	29/10/2050
सूर्य	12/09/1996	चंद्र	10/04/2013	मंगल	09/09/2024	राहु	10/12/2038	गुरु	17/08/2051
चंद्र	14/04/1998	मंगल	08/04/2014	राहु	28/09/2025	गुरु	10/08/2041	शनि	29/07/2052
मंगल	24/05/1999	राहु	25/10/2016	गुरु	04/09/2026	शनि	10/10/2044	बुध	04/06/2053
राहु	30/03/2002	गुरु	31/01/2019	शनि	14/10/2027	बुध	11/08/2047	केतु	10/10/2053
गुरु	10/10/2004	शनि	10/10/2021	बुध	10/10/2028	केतु	10/10/2048	शुक्र	10/10/2054

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
10/10/2054		10/10/2064		11/10/2071		10/10/2089		11/10/2105	
10/10/2064		11/10/2071		10/10/2089		11/10/2105		00/00/0000	
चंद्र	11/08/2055	मंगल	08/03/2065	राहु	23/06/2074	गुरु	28/11/2091	शनि	09/07/2107
मंगल	11/03/2056	राहु	27/03/2066	गुरु	15/11/2076	शनि	11/06/2094		00/00/0000
राहु	10/09/2057	गुरु	02/03/2067	शनि	22/09/2079	बुध	15/09/2096		00/00/0000
गुरु	10/01/2059	शनि	10/04/2068	बुध	11/04/2082	केतु	22/08/2097		00/00/0000
शनि	10/08/2060	बुध	07/04/2069	केतु	29/04/2083	शुक्र	23/04/2100		00/00/0000
बुध	09/01/2062	केतु	04/09/2069	शुक्र	29/04/2086	सूर्य	10/02/2101		00/00/0000
केतु	10/08/2062	शुक्र	04/11/2070	सूर्य	24/03/2087	चंद्र	12/06/2102		00/00/0000
शुक्र	10/04/2064	सूर्य	12/03/2071	चंद्र	22/09/2088	मंगल	18/05/2103		00/00/0000
सूर्य	10/10/2064	चंद्र	11/10/2071	मंगल	10/10/2089	राहु	11/10/2105		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 17 वर्ष 2 मा 25 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

ज्योतिषीय गणना के अनुसार यह स्पष्ट होता है कि जिस समय आपका जन्म हुआ था उस समय मेदिनीय क्षितिज पर मेष लग्न का उदय काल एवं वृषभ नवांश तथा मेष राशि का द्रेष्काण का प्रवेश काल विद्यमान था। अश्विनी नक्षत्र के द्वितीय चरण में आपके जन्म प्रभाव से यह संकेत प्राप्त होता है कि आप स्वतंत्रप्रिय, तेजस्वी, उत्साही, समझौते में विश्वास रखने वाले, किसी के समक्ष नतमस्तक नही होने वाले और किसी भी प्रकार से हार नहीं मानने वाले लगनशील तथा जिद्दी प्रवृत्ति के प्राणी हैं।

वास्तविकता तो यह है कि आप तथाकथित रूप से हर क्षण नेतृत्व प्रदान करना पसंद करते हैं। इसके अतिरिक्त खेल कूद भी आपके लिए प्रिय है। आप अपने विचारों के समक्ष किसी अन्य व्यक्ति का विचार को स्वीकार नहीं करते हैं। आप व्यक्तिगत रूप से अपना न्यायपक्ष ही प्रस्तुत करते हैं। आप स्वाभाविक रूप से नेतृत्व प्रदान करने वाले हैं। तथा शीघ्रता पूर्वक किसी भी विषय को कार्यरूप दे देते हैं। आप सुगमता से अपने अधिकारी या सहायक के विचारों को नही मानते हैं। अर्थात् किसी अन्य की सत्ता स्वीकार नही करते।

आप अपनी अति महत्वकांक्षा के प्रति पूर्ण रूपेण अपनी शक्ति का दुरुपयोग करके आनंद प्राप्त करते तथा शीघ्रता पूर्वक अपनी सम्मति प्रस्तुत कर देते हैं। आप पूर्ण रूपेण आश्वस्त हो जाते है कि आपके विचार और कार्य कलाप अकाट्य है। आप सदैव सभी विषयों में अपनी प्रधानता एवं सशक्त रूप से प्रेरणा प्रदान करते हैं। संयोगवश यदि असफलता हाथ लगती है तो आप पश्चाताप का श्रेय दूसरो पर देते तथा पुनः अपनी पूरी शक्ति प्रदर्शन एवं अपने नियंत्रण से पुनः कार्यारंभ कर देते हैं।

आप सभी शंकाओं से रहित एक विश्वासी व्यक्ति हैं। आप व्यक्तिगत रूप से निष्कपट प्राणी है। यदि कोई व्यक्ति अनैतिक आचरण अथवा दाव पेंच से आपके साथ चालाकी या चतुरता से आप पर भारी दबाव डालना चाहता है तो आप उसके साथ विषमता पूर्ण रूख अपना कर निष्ठुर व्यवहार करने पर तत्पर हो जाते हैं। परंतु यदि कोई व्यक्ति इसके अतिरिक्त आपके विरुद्ध किसी को उकसाता है। या आप पर दबाव डालना चाहता है तो इस प्रकार के आचरण को उलझन पूर्ण व्यवहार समझकर सतर्क रहते हैं। कोई पिछली बातों को भुलाकर, विश्वास पूर्वक समझौता करना चाहता है तो आप इमानदारी पूर्वक, क्रोध और निष्ठुरता को त्याग कर अंततोगत्वा आगे आकर अर्थात् मित्रता का हाथ बढ़ा कर एवं संकीर्णता से उपर उठ कर सफलता एवं विजय प्राप्त कर लेते हैं। आप अपने परिवार की समस्याओं पर ध्यान देते तथा पूर्ण सतर्क रह कर अंत में सभी समस्याओं का समाधान करते हैं। आप अपने पारिवारिक समस्याओं को बिना समय नष्ट किए शीघ्रता पूर्वक अर्थात् मनोयोग पूर्वक बिना किसी उपेक्षित भावनाओं से संपादन कर लेते हैं।

आपके परिवार के सभी सदस्य एवं आप स्वयं अपनी माता से पूर्ण रूपेण संबद्ध रहा करते हैं। आपकी पत्नी आपको अपने प्रभाव में रखने का पूर्ण प्रयास करती हैं। ऐसा संभव है कि आप अपनी पत्नी की विशेषताओं पर अमल करने लगें।

आप पूर्ण रूपेण स्वस्थ्य एवं शारीरिक शक्ति से मजबूत रहकर आनंद प्राप्त करेंगे। लेकिन यदि आप पूर्ण सतर्कता से वाहन नही चलाएगें या वाहन चलाते समय कोई नादानी (बचपना) की तो यह संभव है कि आप किसी भी दुर्घटना के शिकार हो सकते हैं तथा आपके सिर में कोई चोट लग सकती है। अतः आपको पूर्ण सर्तकता से कोई भी वाहन चलाना चाहिए अन्यथा कोई (छोटी) साधारण दुर्घटना आपके संपूर्ण जीवन में कभी भी संभाव्य है। अतः आपके लिए यह चेतावनी है कि आप अच्छी तरह नियमित रूप से सुरक्षित गति से वाहन चलाएं।

यदि आप अपने दैनिकचर्या के अनुकूल आचरण नही किए तो यह संभव है कि आप मस्तिष्क रोग के अथवा पक्षाघात के शिकार हो सकते हैं। अतः आप समय-समय पर अपना स्वास्थ्य परीक्षण कराते रहें, ऐसी ज्योतिषीय राय है। आप अपने उत्तम स्वास्थ्य के प्रति सुधार करते रहें। आपके स्वास्थ्य के लिए मांसाहार सर्वथा वर्जित है। सदैव ही शाकाहार भोजन ग्रहण करें।

स्वास्थ्य की तुलना में धन क्या। यह तो कुछ भी नही है। स्वास्थ्य पर सदैव ध्यान देना अनुकूल है। यदि आप नीति पूर्ण ढंग से उचित खर्च करने में मनमानी करेंगे अथवा अपनी क्षमता से अधिक खर्च करेंगे तो आपका संचित धन पर कुप्रभाव पड़ेगा जिस कारण आपकी वार्षिक आय-व्यय का सिलसिला बिगड़ जाएगा। और आपकी कोई भी योजना प्रारंभ होने के समय आर्थिक तंगी के कारण प्रभावित हो जाएगी। यदि आप आनंद प्राप्त करने के लिए किसी बिंदु पर आसक्त हो जाएंगे तो आप शीघ्रता पूर्वक लाभ प्राप्त नही कर सकेंगे और आपकी योजना हानिप्रद प्रमाणित होगी। अर्थात् आपको काम-धंधे से नुकसान उठाना पड़ सकता है। अतः आप सुरक्षित ढंग से धन का बचत नियमित करें जो आपके संवेदनशील परिस्थिति में सहायक हो सके।

यदि आप किसी भी, परिस्थिति या मौसम के प्रारंभिक काल अर्थात् कोई भी कार्य प्रारंभ करने के पहले निम्नलिखित निर्देशों का पालन करें तो यह आपके लिए लाभजनक सिद्ध होगा।

आप काले रंग के वस्त्रों एवं धातुओं का त्याग कर पीले, लाल एवं ताम्रवर्ण रंग को अपनाएं जो आपके लिए सर्वथा अनुकूल है।

आपके लिए मंगलवार, गुरुवार, रविवार एवं सोमवार उपयुक्त एवं भाग्यशाली दिन है। शुक्रवार, शनिवार एवं बुधवार तीन दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं व्ययकारी होंगे।

आपके लिए अंक 9 और 1 अंक अनुकूल, अंक 4 एवं 8 अंक प्रभावक परंतु अंक 6 एवं 7 अंक आपके लिए प्रतिकूल फलदायक अंक हैं।